रानी लक्ष्मीबाई की 193वीं जयंती पर राष्ट्ररक्षा समर्पण पर्व में बोले प्रधानमंत्री

बुंदेलखंड देश की ताकत व पहचान बनेगाः मोदी

झांसी | संवाददाता

यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बुंदेलखंड की किस्मत बदल देगा। इस धरती पर सशक्त भारत आकार ले रहा है। शौर्य भूमि झांसी का इतिहास बताता है कि भारत कभी वीरता की कमी से कोई युद्ध नहीं हारा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को झांसी में आयोजित राष्ट्ररक्षा समर्पण पर्व के समापन समारोह में कई परियोजनाओं के शिलान्यास के बाद यह कहा।

उन्होंने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई के पास अंग्रेजों के बराबर संसाधन-सैनिक होते तो स्वतंत्रता संग्राम का परिणाम कुछ और होता। संसाधनों की कमी ही बाधा थी। डिफेंस कॉरिडोर इस दिशा में बड़ा कदम है। अब बुंदेलखंड देश की सामरिक ताकत के रूप में पहचाना जाएगा।

भारत शस्त्र आयातक नहीं निर्यातक बनाः बुंदेलखंड की शौर्य को नमन के बाद उन्होंने भारत डायनामिक्स लिमिटेड की रक्षा उपकरण इकाई, 600 मेगावाट के अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क का शिलान्यास और अटल एकता पार्क का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से भारत बड़ा हथियार आयातक था लेकिन आज 'मेक इन इंडिया एंड मेक फार वर्ल्ड' का मंत्र है। 200 से ज्यादा ऐसे उपकरणों की सूची तैयार है, जिनका आयात नहीं होगा। यह स्वदेशी होंगे। इनकी विदेशों से खरीद पर पाबंदी लगा दी गई है। झांसी की एमएसएमई इंडस्ट्री के लिए नई संभावनाएं तैयार हो रही हैं। यह क्षेत्र गलत नीतियों के कारण पलायन से पीड़ित था। आज सही नीतियों के कारण यह विकास का केंद्र बन रहा है।

जहां से कूदी थीं रानी, वह स्थान देखाः आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य समारोह में मंच पर आने से पहले प्रधानमंत्री रानी के झांसी किले में भी गए। उन्होंने उस स्थान को भी देखा, जहां से अंग्रेजों से युद्ध के दौरान रानी कूदकर कालपी की ओर गई थीं। वहां रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा का अनावरण किया। सैनिक स्कूल की वीरांगना कैडेट की छात्रा ने तलवार भेंट की। मंच पर आते ही मोदी ने बुंदेली में जनता का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि झांसी में कैसा महसूस कर रहा हूं, इसकी अभिव्यक्ति आसान नहीं है।

> परिवारवादी सरकारों ने प्यासा रखा पेज 09

अर्जुन सहायक समेत 3240 करोड़ रुपये की बांध परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने शुक्रवार को महोबा पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वीर आल्हा उदल का प्रतीक चित्र भेंट करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

किसानों को समस्याओं में उलझाता है विपक्ष

महोबा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महोबा में कहा कि पिछली सरकारें किसानों को समस्याओं में उलझाए रहीं। यूपी के गांवों को प्यासा रखा। वे किसानों को उलझाने की राजनीति करते रहे, हम समाधान की राष्ट्रनीति करते हैं। अर्जुन सहायक समेत 3240 करोड़ रुपये की बांध परियोजनाएं बुंदेलों को सौंपते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछली सरकारों ने संसाधन लूटने के लिए बुन्देलखंड को माफियाओं को सौंप दिया था। अब उन पर बुलडोजर चल रहा है।

06 सौ मेगावाट के सोलर पार्क का शिलान्यास

02 सौ उपकरणों का आयात अब नहीं होगा

आत्मनिर्भर

यूपी डिफेंस कॉरिडोर में टैंक रोधी मिसाइलों और बेहतरीन हेलीकॉप्टरों का निर्माण होगा। यह नए भारत की ताकत और आत्मनिर्भर भारत की उपलब्धि है। झांसी इसकी साक्षी है।

सैनिक स्कूल

भविष्य में देश की रक्षा और सक्षम युवाओं के लिए जमीन तैयार हो रही है। सौ नए सैनिक स्कूल भविष्य में देश की सेनाओं को ताकत देंगे। सैनिक स्कूलों में बेटियों की भर्तियां शुरू हो गई हैं।